ଭାରତର କମ୍ୟୁନିଷ୍ଟ ପାର୍ଟି (ମାଓବାଦୀ)

भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी)

ନୁଆପାଡ଼ା ଡିବିଜନଲ କମିଟି

नुआपाड़ा डिवीजनल कमेटी

प्रवक्ता - बुधराम पहारिया **प्रैस स्टेटमेंट** **दिनांक 6 नवंबर 2-14**

खड़ुपानी 'बम विस्फोट' सीआरपीएफ की साजिश है.
हमारी पीएलजीए ने कोई बम नहीं लगाया था.
जनता में दहशत फैलाने वाले अर्ध सैनिक बलों की निंदा करो.

30 अक्तुबर के ओड़िआ दैनिक समाचार पत्रों में छपी खबरों के अनुसार व जन माध्यमों से हमें पता चला कि खड़ुपानी के निकट केंद्रीय अर्ध सैनिक बलों ने गस्त अभियान चलाया. अभियान के बाद सीआरपीएफ बलों ने पत्रकारों को बुला कर बम विस्फोट कर के दिखाया. व ऐसे और 10 बम मिलने की अफवा फैलाई. सीआरपीएफ के एक अस्सिटेंट कमांडेंट महेश कुमार के हवाले से लिखा गया है कि दस किलो ग्राम वजनी बम मिला है जिसे विस्फोट कर नष्ट कर दिया गया.

हमारी डिवीजनल कमेटी की तरफ से हम प्रचार माध्यमों के जरिये जनता को स्पष्ट कर देना जरुरी समझते हैं कि यह बम हम ने नहीं लगाया था. न ही हम ऐसी जगह बम लगाते जहां जनता के जानमाल की हानि हो. जिस आसानी से सीआरपीएफ को यह बम मिला वह साबित करता है कि बम सीआरपीएफ वालों ने ही लगाया था. रसायनशास्त्र की जानकारी व हमारे हमलों की कवरेज करने वाले तमाम पत्रकारों को जानकारी है कि दस किलो वजन का बम कितना पावरफुल होता है. वह एक जीप के प्रख्चे उड़ा सकता है और दो मीटर से ज्यादा का गड्ढा बना सकता है. लेकिन खड़ुपानी का घटना स्थल दिखाता है कि वह बहुत ही हल्का बम था. गाड़ी को निशाना बनाने के स्थल पुलिया आदि से दूर क्यों कोई गुरिल्ला दस किलो वजनी बम लगाये गा.

इसके पीछे सीआरपीएफ के अधिकारियों का हाथ है. बम लगा कर विस्फोट करने के पीछे दो तरह की साजिश है. पहली जनता में दहशत फैलाकर हमारी पार्टी को बदनाम करना. दूसरी बम खोजने व उसे नष्ट करने का क्रैडिट लेकर अपनी पदोन्नतियों को पक्का करना. सीआरपीएफ व सैनिक बलों का यह बहुत पूराना तरीका है. पदोन्नतियों के लिये निर्दोष लोगों, दुकानदारों, किसानों व अन्य कारोबारियों को फसाना, गिरफ्तार करना यहां तक कि लोगों को झूठी मुठभेड़ों में मार डालना भी आम बात है.

केंद्रीय अर्धसैनिक बल, एसओजी कमांडों व पुलिस की गस्त से जनता का आम जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हो रहा है. गाय, बैल, भेड़-बकरियों वाले व अन्य कामों से जंगल में जाने वाले लोगों को सुरक्षा बलों के जवान मारपीट कर रहे हैं. माओवादियों के डेरों की जानकारी लेने के नाम पर उन को यातनायें दे रहे हैं. महिलाओं से बलात्कार करना, छेड़खानी करना आम बात बनती जा रही है.

सोनाबेड़ा, पाटधारा, आमामोरा जैसे इलाकों में मौजूद खनिज संपदा खासकर परमाणु बम बनाने के लिये काम आने वाला रसायन युरेनियम व बाक्साइट के कारण इस इलाके को पुलिस छावनी में बदला जा रहा है. भारी मात्रा में कमांडों बलों व अर्धसैनिक बलों को लगाकर यहां के खनिज पदार्थों का दोहन करना और लोगों को विस्थापित करना इसका उद्देश्य है. वेदांता जैसी बहुराष्ट्रीय कंपनियों के लिये आसान रास्ता बनाया जा रहा है.

हमारी पार्टी को बदनाम करने व जनता में दहशत फैलाने के लिये किये गये इस फर्जी बम विस्फोट की हम कड़ी निंदा करते हैं. जनता से अपील करते हैं कि इस तरह के निंदनीय व अपराधी काम करने वाले अर्ध सैनिक बलों व पुलिस बलों का असहयोग करें. जनता को नाजायज तरीके से यातनायें देने व महिलाओं से छेड़खानी करने का विरोध करें. जनता से अपील है कि वह पुलिस के झूठे प्रचार पर विश्वास न करे.

प्रवक्ता
बुधराम पहारिया
नुआपाड़ा डिवीजनल कमेटी
भाकपा (माओवादी)